

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	२१/२/२५	<p>पञ्चावली पेशा छठी। अग्निवन्ता वधोक्त स्वयं वही उपस्थित जहाँ वस्त्र कंधात वापक उक्त अग्निवन्ता को बार-बार आवाज लगाकर गड उठाने और की कीड़े को उपस्थित जहाँ वही से वाप को वाप उठाने एवम् अथ पेशे में 'वधोक्त' किया जाता है पञ्चावली मूखल सुभार दसरा जिनको वसे का वधे वधनाकमोले शिखिल ५५ तक है।</p> <p style="text-align: right;">उप-खण्ड अधिकारी जयपुर (दिल्ली)</p>

